यक ग्रां यक जिल्हणु थी, तेस नउ पिंकी थियू। तसे यक कुवा बी थिआ, तेस नउ चिंकू थियू। पिंकी आज झणे धुणे कियो थी। सुआ रोज मेघे बझाइ जोइ झणे धोइ नोउथ बटो। आज धुप लगो थी। पिंकी झणे धूण जे गई त अपु कुवा बी साते निआ। दुहे जेइ कोइए त बुढ़ी पेअण केइ झणे धूण जे घेइ गअ। पेअण पुठ पिंकी झणे सेले त चिंकू झीणी जोइ खेलण लग गा। तसे ई बोलुं लगी, "चिंकू शरारत ना कर, मउं झणे धुण दे"। पिंकी झीणी जोइ साभण लई त खरे मिन कइ पुओणी बइ धुण लगी। पेअण पुठ बठो चिंकू ध्यान जोइ अपु ईया हेरी बिशो थिआ। झणे धोइ कइ दुहे जेइ गी वापिस ऐइ गअ। पिंकी झणे शुखाण जे तार जोइ टाढी छड़े। झणे टढ कइ दुहे जेइ अन्तर घेइ गअ। होता भीं बिशो थिए दे बियार लगण लग गई। झणे सोब उड़रुण लग गअ। पिंकी झणे टते त झणे होता अले थिए। पिंकी बहरीया हक दीती, "चिंकू, झठ बहरी अई त मउ जोइ झणे बेढां दे"। चिंकू दुवा पुठ आ त तसे छते बियारी बेलि उड़रुण लगी। से तठियारी बोलुण लगा, "अउं बहरी ना ऐन्ता। अत तेज बियार अन्तर मे छते उड़री घेन्ती"। पिंकी शुणु त से नराज भोइ गई। लेहरी कइ बोलुण लगी, "चिंकू, तें छते उड़रेलि त तु फिर बुखोरी सकता। झणे उड़रेल त से ना टेइन्तें"। चिंकू ईया पुछण लगा, "ईया, झणे कि चड़ी-चखुरु के इ असे ना जे उड़री घेन्ते"? किस अन्के बी पंख भुन्ते ना? चिंकू सवाल शुण कइ ईये लहर घेइ गई। से हँस कइ बोलुण लगी, "चिंकू सुआ चीजे बगै पंखी बी उड़रती। जी रंग, पत्ते, होश.....झणे बी! अई में अबल कुवा, झठ झणे बेढ़ां दे"। चिंकू ईये बोक शुण कइ झठ बहरी आ त अपु ईया जोइ झणे बेढ़ां लग गा।

कुछ खास खबर

- पांगी घाटी सोभि स्कूली के पहली केंआ नौमी तकरी रिजल्ट घोषित भोइगे।
- रोहतांग जोत गाडी त महेणु सोभि जे बन्द भोइ गोऊ।
- -पांगेइ मेहणु सरकार केंआ फ्लाइट करणे डिमांड़ कियो असी।

दुइ सियाणे अपु 60मी सालगिरा मना लगो थिए, भणेजी अपु पडनॉनी केआं पुछू ..... बबीता

खुर शुणीणे बीमारी (युरिक एसीडे बीमारी) खुर शुणीणे बीमारी (युरिक एसीडे बीमारी)

यूरिक एसीड यक फलतु चीज भो, यूरिक एसीड हें मुटुण जोइ बहरी ऐइ घेन्ता। हे शरीरे लहु अन्तर बि 4 केआ 5 मिली ग्राम युरिक एसीड़ भुन्ता, अस केआ ज्यदा यूरिक एसीड बध घेणे बोलि खुर शुणीणे बीमारी एन्ती। यूरिक एसीडे निके-निके टुकडु हे जोड़ी अन्तर जमा भोइ घेन्ते, इस बझाइ जोइ खुर शुणी घेन्ते त चिण्ग लगती। खुर चिण्ग मुकयेल बी डाक्टरे बोलुण तकर या लहुए यूरिक एसीड 6 मिलि ग्राम केंआ घट भूण तकर दवा खाण बन्न न करीण। हर रोजे 4 या 5 लीटर पुओण पीण जरूरी असु, आगर अस खाणे चीजी के पेरहेज रखीयेल त एस बीमारी केंआ दुर रेही सकते, त एस बीमारी झट ईलाज बी भोइ घेन्ता। ***यूरिक एसीडे बीमारी जोइ कि-कि न खाण:-*** अराख न पीण, मउठे दाड, मासुं, घी त सिपरिया बी थोडू-थोडू खाण। जपल दाड़, मसुं खाल त पुओण सुआ मतलब 5 या 6 लीटर पीण जरूरी असु।

PMR Clinic Run By Dr Rosy Dhanunjay At Killar Is Closed Forever!!!

06/01/2015; Issue 037; ` 1

पं ग वा ली मा सि क प त्रि का

तुबारि

www.pangi.in

पंगवाली भाषा विकास वेबसाईट
पंगवाली, हिन्दी त अंग्रेजी टाई भाषा अन्तर असी।

तुबारि संपादकीय टीम

♦अस इ उम्मिद करुं लगो से कि एण बाड़े दिन अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर सहयोग कते।

♦इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगि घाटि अन्तर पढ़ूं जे इ पत्रिका शुरु किओ सि।

♦तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦तुबारि पत्रिका कोइ मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गल्ति कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोइ ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुलि बोक असि कि पेहिल बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलति बि भुन्ति। अगर कोइ लिखणे गलति असि त असि जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के मदद ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदि बि बंद भुई सकति।

♦कोइ चिज छपां सि या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार राखे ठेके भैड़ हरिरामे दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असि।

♦अस सोभि पांगि मेहणु जे हात जोड़ कई निवेदन कते कि, तुस बि कोइ अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नौइं कथा, कहावत, कविता, त नौवे घीत (पागवाली अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंन्नदे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

- 9418431531
- 9418429574
- 9418329200
- 9418411199
- 9418411599

इ फियुडु तुसी मुबारक, इ गुलशन तुसी मुबारक।
अस रहिएल न रहिएल, इस नौंआ साले 2015
तुसी सोबी सुआ-सुआ मुबारक त बधें।

बियाह-वचन देण।

आज-कले दुनिये अन्तर सुआ झगड़ा त तलाक देणे बोक शुणुती। हें बियाह अन्तर बी जपल सुआ लड़ाई-झगड़ा भुन्ता, यकि होरी केहणा न मन्ते त यक जेइ अपु जिम्मेदारी पूरी ना निभान्ता तपल अस बी सोचते कि अपु धणि जुएलि केआ कपल छुटकारा मेइयाल। इ सोचते कि अब अस दुहे जेइ सांते ना बिश सकते।

बियाह यक समझौता (contract) भो ना? असे मतलब यक जेइ समझौता टोड़ियाल त दोका से बी टोड़ि छता। यक जेइ समझौता ना मनियाल त जरुरी नेइ कि दोका जेइ बी अपु जिम्मेदारी निभाण। सोचीं दिए कि अ भो ना बियाह? "में जुएलि मउं जोइ सुसर बिशेल त अउं बी सुसर बिशता। से नेइ बिशण लगो त अउं बी ना बिशता। में गलती थोड़ी न भो, तसे गलती भो। अउं अपु रास्ते घेन्ता"। हेरे अ भो ना बियाहे मतलब? ना! ना! ना! ना! ना भो।

पेहलकण जुवाने दुइ मेहणु अपेपु बुच खुने वाचा बन्तेथ (covenant) । अपु खुन मियाइ कइ अपेपु बुच रिश्ता बड़ातेथ। असे मतलब यक जेइ किछ बी करियाल फिर बी होरा से तसे सात कदि न छता, अपु जिम्मेदारी पूरी निभान्ता। तिहाणि बियाह बी यक वाचा बन्दणे भो। इस अन्तर यक जेइ किछ बी करियाल दोका जेइ तसे सात ना छता। त अपु वादा ना टोड़ता। "अउं, त में जे कि असु, सोब तें भो! जपल जरुरत भोल त तें लिए अपु जिन्दगी बी दी सकती"। बियाह जिन्दगी भइ सात देणे वादा भो। मतलब " मउं मंजूर असु तु किछ बी करियाल त अउ पूरी जिन्दगी भइ तउ जोइ प्यार कती/कता। सिर्फ मौत मउं तऊ केआ अलग कइ सकती। मेइ तु अपु पूरी जिन्दगी लिए चुणो असी"। बियाह कदि टूटि ना सकता। सिर्फ मौत टोड़ सकती। कोइ परीशानी, बीमारी, गरीबी, कोइ बी रिश्ता, पूरी जिन्दगी अन्तर ना कामयबी भोल त असी अपु बियाह ना टोड़ूं।

बियाह जिन्दगी भइ सात देणे वादा भो। मतलब " मउं मंजूर असु तु किछ बी करियाल त अउ पूरी जिन्दगी भइ तउ जोइ प्यार कती/कता। सिर्फ मौत मउं तऊ केआ अलग कइ सकती। मेइ तु अपु पूरी जिन्दगी लिए चुणो असी"।

दुहि धणि-जुएलि बुच खरा त बुरा टेम, हसण त रोलुण जिन्दगी अन्तर सोब कठु भुन्तू। इ भुण पता न लगयाल त जिन्दगी जीण मुश्किल भोइ घेन्ती। हे बियाह अन्तर खास शब्द प्यार नेइ, यौन सम्बन्ध नेइ, खुशी बी नेइ पर "वादा या वचनबध्ता" असा। नजर जोइ नजर मियाइ कइ प्रेम, प्यारे चकर, हथ जोइ हथ मियाइ कइ घुमण, गड़े मियणु इ ना भो बियाह। पर बियाह मतलब कदि बी धणि-जुएलि यक-होरा छड़ ना देण।

यक अबल बियाह अन्तर खरे गभुरु भुन्ते। अन्त अन्तर अबल समाज बणंता। परिवार समाजे नींब भो।

CC BY NC SA